24. दोहे

स्वाध्याय

मृग कस्तूरी को कहा ढूँढता है ?

- मृग कस्तूरी को वन में इधर-उधर ढूँढता है |

हमारा जन्म कृतार्थ करने के लिए किसकी सेवा करनी चाहिए ?

- हमारा जन्म कृतार्थ करने के लिए हमे सेंतो की सेवा करनी चाहिए |

भवसागर तरने के लिए कौन-कौन से पाँच तत्व है ?

- भवसागर तैरने के लिए ये पाँच तत्व है – साधु का मिलना (सत्संग), हरिभजन, दया की भावना, नम्रता और परोपकार |

निम्नलिखित भावार्थवाले दोहे ढूँढकर उनका गाँन कीजिए |

1 परमात्मा घट-घट में व्याप्त है, फिर भी हम देख नही पाते |

2 हमें जो कुछ मिला, वह ईश्वर का ही है और वह ईश्वर को सौपने से अपना कुछ नही रहता |

3 अप्रामाणिक रूप से संपाती इकट्ठी करके उसमें से दान करने पर स्वर्गप्राप्ति नही हो सकती |

4 दूसरों की संपती देखकर दु:खी होने के बजाय ईश्वर ने हमे जो कुछ दिया है, उसमें संतोष रखना चाहिए |

1 परमात्मा घट-घट में व्याप्त है, फिर भी हम देख नही पाते |

कस्तूरी कुंडली बसै, मृग ढूँढे वन माही |

ऐसे घट-घट राम है, दुनिया देखे नही ||

2 हमें जो कुछ मिला, वह ईश्वर का ही है और वह ईश्वर को सौपने से अपना कुछ नही रहता |

मेरा मुझसे कुछ नही, जो कुछ हाय सो तेरा |

तेरा तुझको सौपते, क्या लगेगा मेरा ||

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3 अप्रामाणिक रूप से संपाती इकट्ठी करके उसमें से दान करने पर स्वर्गप्राप्ति नही हो सकती |

एहरण की चोरी करे, करे सुई का दान |

ऊंचे चढ़कर देखते, काइटिक दूर विमान ||

4 दूसरों की संपती देखकर दु:खी होने के बजाय ईश्वर ने हमे जो कुछ दिया है, उसमें संतोष रखना चाहिए |

रूखा-सूखा खाई कै, ठंडा पानी पीव |

देखि पराई चुपड़ी मत ललचावे जीव ||

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in